शब्द - विचार

परिभाषा : एक या एक से अधिक वर्णों से बने सार्थक ध्वनि - समूह को शब्द कहते हैं ।

शब्द के भेद : शब्द की उत्पत्ति या स्रोत , रचना या बनावट , प्रयोग तथा अर्थ के आधार पर शब्दों के निम्न भेद किये जाते हैं -

✺ 1 . उत्पत्ति के आधार पर

उत्पत्ति एवं स्रोत के आधार पर हिन्दी भाषा में शब्दों को निम्न 4 उपभेदों में बाँटा गया हैं -

(i) तत्सम शब्द : किसी भाषा में प्रयुक्त उसकी मूल भाषा के शब्दों को तत्सम शब्द कहते हैं । हिन्दी की मूल भाषा (संस्कृत) के ये शब्द , जो हिन्दी में ज्यों के त्यों प्रयुक्त होते हैं , उन्हें तत्सम शब्द कहते हैं ।
जैसे - अट्टालिका , अर्पण , आम्र , उष्ट्र , कर्ण ,गर्दभ , क्षेत्र ।

(ii) तद्भव शब्द : उच्चारण की सुविधानुसार संस्कृत के ये शब्द , जिनका हिन्दी में रूप परिवर्तित हो गया , हिन्दी में तदभव शब्द कहलाते हैं । जैसे - चन्द्र से चाँद , अग्नि से आग , जिह्वा से जीभ आदि बने शब्द तद्भव शब्द कहलाते हैं ।

✺ तत्सम तद्भव शब्दों की सूची

तत्सम - तद्भव	तत्सम - तद्भव

नक्षत्र - नखत

ननंदृपति - नंदोई

नव - नया

नवती - नब्बे

अन्यपरश्व - नरसों

नस्या - नस

नखहरण - नहना

न हि - नहीं

नापित - नाई

लंघन - लांघना

नक्र - नाक

नस्ता - नाथ

अग्नि - आग

अंध - अँधा

अमृत - अमी

अर्ध - आधा

अष्ट - आठ

अश्रु - आँसू

अक्षि - आँख

अज्ञानी - अनजान

आम्र - आम

आद्रक- अदरक

आश्चर्य - अचरज

मत्सर - मच्छर

मत्स्य - मछली

मजिष्ठ - मजीठ

मृत्तिका - मिट्टी

मंडन - मढ़ना

मंत्रकारी - मदारी

शमशान - मसान

मुषल - मूसल

मुख - मुंह

मृत - मुआ

मुख्य - मुखिया

मह्यम - मुझे

मुष्टि - मुट्ठी

मुदग - मूंग

श्मश्रु - मूंछ

मुंड - मूंड

मस्तक - माथा

मृत्यु - मौत

मार्ग - मग

मिष्ठ - मीठा

मित्र - मीत

मुख - मुँह

मुष्टि - मुट्ठी

आच्शारी - आसरा

आशिष - आशीष

ओष्ठ - ओठ

इक्षु - ईख

उलूक- उल्लू

उष्ट्र - ऊँट

एकादश - ग्यारह

कच्छप - कछुआ

कटु - कड़वा

कंदुक - गेंद

कपाट - किवाड़

कपर्दिका - कौड़ी

कर्ण - कान

कर्पूर - कपूर

कार्य - काज

काष्ठ - काठ

कुपुत्र - कपूत

कुब्ज - कुबड़ा

कुम्भकार - कुम्हार

कुमार - कुँवर

कुष्ठ - कोढ़

कूप - कुँवा

कोकिल - कोयल

मूल्य - मोल

मूषक - मूस

मेघ - मेह

यमुना - जमुना

यम - जम

यंत्र - जंत्र

एष - यह

एवम - यों

अत्र - यहाँ

यज्ञोपवीत - जनेऊ

यजमान - जजमान

रक्षण - रखना .

रक्तिका - रत्ती .

रश्मि - रस्सी .

अरघट्ट - रहट.

क्षार - राख .

रक्षासूत - राखी .

रात्रि - रात .

रुदन - रोना

ऋक्ष - रीछ

राशि - रास

अरिष्ठ - रीठा

रिक्त - रीता

कोटि - करोड़

गर्जन - गरज

गर्दभ - गधा

ग्रंथि - गाँठ

ग्राम - गाँव

गोधूम - गेंहू

गौर -गोरा

गृध - गीध

गृह - घर

घटिका - घड़ी

घृत - घी

चंचु - चोंच

चतुर्थ - चौथा

चंद्र - चाँद

चर्मकार - चमार

चित्रकार - चितेरा

चैत्र - चैत

चौर - चोर

छिद्र - छेद

ज्येष्ठ - जेठ

जिह्वा - जीभ

ताम्र - ताँबा

तैल - तेल

ईर्ष्या - रीस

रुक्ष - रुखा

रुष्ट - रूठा

रजनी - रैन

रोम - रोंवा

राक्षस - राकस

राष्ट्र - राज्य

रक्तिका - रत्ती

रात्रि - रात

राशि - रास

रक्षा - राखी

लज्जा - लाज

लौह - लोहा

लम्बक - लम्बा

लीष्ट - लोढ़ा

वेदना - बेदना

वन - बन

वर्तिका - बत्ती

यव - जौ

योगी - जोगी

यूथ - जत्था

युवा - जवान

योवन - जोबन

त्वरित - तुरंत

दंड - डंडा

दधि - दही

दन्त - दांत

द्वादश - बारह

द्विगुण - दुगुना

दुग्ध - दूध

धैर्य - धीरज

धूम - धुवाँ

नग्न - नंगा

निर्गलन - निगलना

नारिकेल - नारियल

नवनवती - निन्नान्वें

नीचैः - नीचे

निष्ठुर - निठुर

निर्दर - निडर

निर्वहण - निभाना

निघाती- निहाई

नीच्य - नीचा

निम्बक - नीबू

निम्ब - नीम

निमंत्रण - नेवता

नियम - नेम

युवा - जवान

राजपुत्र - राजपूत

राज्ञी - रानी

रज्जू - रस्सी

रिक्त - रीता

लौहकार - लुहार

लवंग - लौंग

लवण - नमक

लोमश - लोमड़ी

विवाह - बारात

वरयात्रा - बारात

बिग्रह - बिगाड़

झटिति - झट .

निर्झर - झरना .

जीर्ण - झीना .

जुष्ट - झूठा .

टंकशाला - टंकशाला.

त्रुतयते- टूटना .

टिटटिभी - टिटिहरी .

शीत - ठंडा .

स्थान - ठांव .

दंश - डंक .

दर - डर.

नकुल - नेवला

नयन - नैन

ज्ञातिगृह - नैहर

लुंचन - नोचना

स्नेह - नेह

नयन - नैन

शकुन - सगुन

शालाकिका - सलाई

शत - सौ

शत - सौ

शिक्षा - सीख

श्रावण - सावन

श्रृंगार - सिन्गार

श्वास - साँस

शूकर - सूअर

शप्तशती - सतसई

राजा - राय

रात्रि - रात

रोदन - रोना

लज्जा - लाज

लवंग - लौंग

लक्ष - लाख

लोक - लोग

दंशन - डसना.

दंड - ठंडा .

डाकिनी - डाइन.

दंष्ट्रा - डाह .

दाह - डाह .

विस्टा - बीट

विद्युत् - बिजली

वत्स - बच्चा

व्याघ्र - बाघ

वंश - बांस

वक् - बगुला

वृच्शिक - बिच्छु

वर्धकिन - बढ़ई

वारिद - बादल

वातुलक - बावला

विल्ब - बेल

व्यथा - विधा

वधु - बहू

वट - बरगद

वाणिक - बनिया

वृद्ध - बुढा

वानर - बन्दर

वास्प - भाप

लौहकार - लोहार

वट - बड़

वत्स - बच्चा

वधू - बहू

व्याध - बाघ

वानर - बन्दर

वाष्प - भाप

शत - सौ

शत - सौ

स्तन - थन

सप्त - सात

स्वर्ण - सोना

सूर्य - सूरज

सूत्र - सूत

सौभाग्य - सुहाग

हास्य - हँसी

अस्थि - हड्डी

हस्त - हथोड़ा

हरीतकी - हरड

हरित - हरा

लघुक - हल्का

हरिद्रा - हल्दी

हस्त - हाथ

वर्ष - बरस

व्याख्यान - बखान

वार्ता - बात

वाराणसी - बनारस

विग्रह - बीघा

वेश - भेस

हितेच्छु - हितैषी

हस्त - हाथ

हस्ती - हाथी

हरिद्रा - हल्दी

हास्य - हँसी

क्षार - खार

क्षेत्र - खेत

शिक्षा - सीख

श्रावण - सावन

श्रृंगार - सिंगार

श्वास - साँस

शूकर - सूअर

शप्तशती - सतसई

श्यामल - साँवला

शाप - श्राप

शुन्ठिका - सोंठ

श्रृंगाल - सियार

हस्ती - हाथी

हारि - हार

हीरक - हीरा

अघ : स्थिति - हेठी

ह्रदय - हिया

हिल्लन - हिलना

हिंगू - हींग

ओष्ठ - होंठ

हट्ट - हाट

निद्रा - नींद

निष्ठुर - निठुर

पद - पैर

पश्चाताप - पछतावा

पक्ष - पंख

प्रकट - प्रगट

प्रतिवासी - पडोसी

प्रस्तर - पत्थर

प्रहरी - पहरी

प्रतिवेशी - पडोसी

पठ - पढ़

पिस्थिका - पीठी

पत्र- पत्ता

प्रस्तर - पत्थर

श्रिंग - सींघ

पष्ट - छः

स्फटिक - फटकरी

परशु - फरुआ

पाशिका - फांसी

फाल्गुन - फागुन

स्फूर्ति - फुरती

स्फुटन - फूटना

फुल्ल - फुल्का

फुल्लन - फूलना

स्फोट - फोड़ा

परशु - फरसा

स्कंध - कन्धा

स्कंधभार - कहार

स्तम्भ - खम्भा

स्थानक - ठप्पा

साक्षी - साखी

सूर्य - सूरज

सूची - सूई

सर्सप - सरसों

हास्य - हँसी

हस्तिनी - हथनी

श्यालक - साला

पन्यशालिक - पंसारी

उपरि - पर

परिकूट- परकोटा

प्रतिच्छाया - परछाई

प्रणाल - परनाला

परपौत्र - परपोता

पर्पौत्री - परपोती

परमार्थ - परमारथ

स्पर्श - परस

परीक्षा -परिच्छा

परश्व - परसों

पर्पट- पराठा

पर्यक - पलंग

पटल - पलड़ा

पल्लव - पल्ला

स्वेद - पसीना

प्रत्यभिज्ञान - पहचान

परिधान - पहनना

प्रहर - पहर

प्रथिल - पहला

प्रहरी - पहरूवा

पञ्च - पाँच

पिप्पल - पीपल।

श्वसुर - ससुर

शर्कर - शक्कर

शाक - साग

शुष्क - सूखा

शून्य - सूना

शीतल - सीतल

शुण्ड - सूंड

श्रद्धा - साध

स्फोटक - फूट

स्तन - थान

स्वामी - साईं

सज्जा - साज

संधि - सेंध

सूत्र - सूत

स्वप्न - सपना

संध्या - शाम

हस्ति - हाथी

होलिका - होली

हस्त - हाथ

हत्याकार - होली

हृदय - हिया

श्यालस - साला

शय्या - सेज

पृष्ठ - पीठ

पाद - पाँव

पितृ - पिता

पीत - पीला

पुत्र - पूत

पुराण - पुराना

पौत्र - पोता

फाल्गुन - फागुन

बधिर - बहरा

बालुका - बालू

बिन्दू - बूँद

भक्त - भगत

भल्लूक - भालू

भिक्षा - भीख

मयूर - मोर

मंडप - मंडुवा

मक्षिका - मक्खी

शर्करा - शक्कर

स्वसुर - ससुर

शाक - साग

शृंखला - साँकल

श्रृंगार - सिंगार

श्रृंगाल - सियार

श्रावण - सावन

शिर - सिर

शिला - सिल

शिक्षा - सीख

शीर्ष - सीस

श्रेष्ठी - सेठ

स्कंध - कन्धा

संध्या - साँझ

(iii) देशज शब्द : किसी भाषा में प्रचलित वे शब्द , जो क्षेत्रीय जनता द्वारा आवश्यकतानुसार गढ़ लिए जाते हैं , देशज शब्द कहलाते हैं । अर्थात् भाषा के अपने शब्दों को देशज शब्द कहते हैं । साथ ही ये शब्द भी देशज शब्दों की श्रेणी में आते हैं जिनके स्रोत का कोई पता नहीं हैं तथा हिन्दी में संस्कृतेतर भारतीय भाषाओं से आ गये हैं ।

(अ) अपनी गढन्तु से बने शब्द - ऊटपटाँग , ऊधम , अँगोछा , जङ , खटपट , खर्राटा , खचाखच , खिड़की , खुरपा , गाडी , गड़गड़ाना , गड़बड़ , घेवर , चम्मच , चहचहाना , चिमटा , चाट , चुटकी , चिंघाड़ना , चट्टी , छहरा , छल - छलाना , इण्डा , झगड़ा , टट्टू ठठेरा , डगमगाना , ढक्कन , ढाँचा , डोर , दीदी , पटाखा , परात , पगड़ी , पेट , फटफट , बड़बड़ाना , बटलोई , बाप , बुद्धू , बलबलाना , भोला , मकई , मिमियाना , मुक्का , लपलपाना , लड़की , लुग्दी , लोटपोट , लोटा , हिनहिनाना

(आ) द्रविड़ जातियों की भाषाओं से आये देशज शब्द : अनल , कज्जल , नीर , पंडित , माला , मीन , काच , कटी , चिकना . ताला , लूंगी , डोसा , इडली ।

(इ) कोल संस्थाल आदि जातियों की भाषा से बने हिकी के देशज शब्द : कदली से केला , कर्पास से कपास , सरसों , कोड़ी , ताम्बूल , परवल , बाजरा , भिंड़ी ,

(iv) विदेशी शब्द : राजनीतिक , आर्थिक , धार्मिक एवं सांस्कृतिक कारणों से किसी भाषा में अन्य देशों की भाषाओं से भी शब्द आ जाते हैं , उन्हें विदेशी शब्द कहते हैं । हिन्दी भाषा में प्रयुक्त अंग्रेजी , अरबी , फारसी , पुर्तगाली , तुर्की , फ्रांसीसी , चीनी भाषाओं के अतिरिक्त डच , जर्मनी , जापानी , तिब्बती , रूसी , यूनानी भाषा के भी शब्द प्रयुक्त होते हैं ।

(क) अंग्रेजी भाषा के शब्द जो प्रायः हिन्दी में प्रयुक्त होते हैं । अण्डरवियर , अल्मारी , अस्पताल , इंजीनियर , एक्स - रे , एजेण्ट , एम . पी . , क्लास , क्लर्क , कलेक्टर , कॉपी , कार , कैमरा , केस , कौट , क्रिकेट , गार्ड , चैक , टायर , ट्यूब , टेलिविजन , टेलर , टीचर , ट्रक , डबल बैड , डॉक्टर , ड्राफ्ट , निब पोस्टकार्ड , पैन , प्लेटफार्म पाउडर , पोलिंग , पार्लियामेन्ट , पंचर , फिल्म , फाइल , फुटबाल , बस , बिल्डिंग , बैंक बैण्ड , ब्रुश , बुश्शर्ट , बैडमिण्टन , मास्टर , मजिस्ट्रेट , मेम्बर , यूनिवर्सिटी , यूनीफार्म , रेडियो , रजिस्टर , रेल , रेडीमेड , लीडरशिप , लाटरी , वारण्ट , वोट , शर्ट , सूट , सिगनल , सिलेण्डर , सीमेण्ट , स्कूटर , स्वैटर ।

(ख) अरबी भाषा के शब्द : अक्ल , अजीब , अदालत , आजाद , आदमी , इज्जत , इलाज , इन्तजार , इनाम , इस्तीफा , औलाद , कमाल , कब्जा , कानून , कुर्सी , किताब , किस्मत , कबीला , कीमत , गरीब , जनाब , जलसा , जवाब , जुर्माना , जिला , तहसील , ताकत , तारीख , तूफान , तराजू , तमाशा , दुनिया , दफ्तर , दौलत , नतीजा , नशा , नकद , फकीर , फैसला , बहस , मदद , मतलब , लिफाफा , वकील , शतरंज , शादी , सुबह , हलवाई , हिम्मत , हिसाब , हुक्म् ।

(ग) फारसी के शब्द : अखबार , अमरूद , आराम , आवारा , आसमान , आतिशबाजी , आमदनी , कमर , कारीगर कमीना , कुश्ती , खराब , खर्च , खजाना , खून , खुश्क , गवाह , गुब्बारा , गुलाब , जानवर , जैब , जगह , जमीन , जलेबी , तनख्वाह , तबाह , दर्जी , दवा , दरवाजा , दीवार , नमक , नेक , बीमार , मजदूर , मलाई , यार , लगाम , शेर , शराब , सूखा , सूद , सेर , सौदागर , सुलान , सुल्पा ।

(घ) पुर्तगाली भाषा से : अचार , अगस्त , आलपिन , आलू , आया , अन्नानास , इस्पात , कनस्तर , कारबन , कमीज , कमर , गमला , गोभी , गोदाम , चाबी , तौल्मित , नीलाम् , पीपा , पादरी , पिस्तौल , फीता , बस्ता , बटन , बाल्टी , पपीता , प्याला , पतलून , मेज , लबादा , संतरा , साबुन ।

(च) तुर्की से : भाका , उर्दू , एलची , काबू , खां , कैंची , काबू , कुर्की , कलंगी , कालीन , खंजर , खॉ , चॉक , चिक , चेचक , चुगली , चोगा , तमगा , तमाशा , तोप , बारूद , बाबर्ची , बीबी , बेगम , बहादुर , मुगल , लाश ।

(छ) फ्रेंच (फ्रांसीसी) से : अंग्रेज , काजू , कारतूस , कूपन , टेबुल , मेयर मार्शल , मीनू , रेस्ट्रॉ . सूप ।

(ज) चीनी से : चाय , लीची , लोकाट , तूफान ।

(झ) डच से : तुरुप , बम , चिडिया , ड्रिल ।

(ट) जर्मनी से : नात्सी , नाजीवाद , किंडर गार्टन ।

(ठ) जापानी से : रिक्सा , सायोनारा ।

(ड) तिब्बती से : लामा , डाँडी ।

(ढ) रुसी से : जार , सोवियत , रूबल , स्पुतनिक , बुर्जुग ।

(त) यूनानी से : एकैडमी , एटम , एटलस , टेलिफोन , बाइबिल ।

(v) संकर शब्द : हिन्दी में वे शब्द जो दो अलग - अलग भाषाओं के शब्दों को मिलाकर बना लिये गये हैं , संकर शब्द कहलाते हैं ।

अग्नि बोट = अग्नि (संस्कृत) + बोट (अंग्रेजी)

टिकिट - घर = टिकिट (अंग्रेजी) + घर (हिन्दी)

तपैदिक = तप (फारसी) + दिक (अरबी)

नेकचलन = नेक (फारसी) + चलन (हिन्दी)

नेक नीयत = नेक (फारसी) + नीयत (अरबी)

बे - आब = बे (फारसी) + आब (अरबी)

बे - ढंगा = बे (फारसी) + ढंगा (हिन्दी)

बे - कायदा = बे (फारसी) + कायदा (अरबी)

विसातखाना = विसात (अरबी) + खाना (फारसी)

सजा प्राप्त = सजा (फारसी) + प्राप्त (हिन्दी)

रेलगाड़ी = रेल (अग्रेजी) + गाड़ी (हिन्दी)

उड़न तश्तरी = उड़न (हिन्दी) + तश्तरी (फारसी)

कवि दर = कवि (हिन्दी) + दरबार (फारसी)

बम वर्षा = बम (अंग्रेजी) + वर्षा (फारसी)

जांचकर्ता = जाँच (फारसी) + कर्ता (हिन्दी)

✺ (ख) रचना के आधार पर

शब्दों की रचना प्रक्रिया के आधार पर हिन्दी भाषा के शब्दों के तीन भेद किये जाते हैं ।

(1) रूढ़ शब्द (2) यौगिक शब्द (3) योग रूढ़ शब्द |

(i) रूढ़ शब्द : वे शब्द जो किसी व्यक्ति , स्थान , प्राणी और वस्तु के लिए वर्षों से प्रयुक्त होने के कारण किसी विशिष्ट अर्थ में प्रचलित हो गए हैं , रूढ़ शब्द ' कहलाते हैं । इन शब्दों की निर्माण प्रक्रिया भी पूर्णतः ज्ञात नहीं होती । इनका अन्य अर्थ भी नहीं होता तथा इन शब्दों के टुकड़े करने पर भी उन टुकड़ों के स्वतन्त्र अर्थ नहीं होते । जैसे - दूध , गाय , रोटी , दीपक, पत्थर , देवता , आकाश , मेंढक , स्त्री ।

(ii) यौगिक शब्द: वे शब्द जो दो या दो से अधिक शब्दों के योग से बने हैं । उन शब्दों का अपना पृथक अर्थ भी होता है , किन्तु वे मिलकर अपने मूल शब्द से सम्बंधित या अन्य किसी नये अर्थ का भी बोध कराते हैं , यौगिक शब्द कहलाते हैं । समस्त संधि , समास , उपसर्ग तभा प्रत्यय से बने शब्द यौगिक शब्द कहलाते हैं । यथा - विद्यालय , प्रेमसागर , प्रतिदिन , दूधवाला , राजमाता , ईश्वर-प्रदत , राष्ट्रपति , महर्षि , कृष्णार्पण , चिड़ीमार ।

(iii) योगरूढ़ शब्द : यौगिक शब्द जिनका निर्माण पृथक - पृथक अर्थ देने वाले शब्दों के योग से होता है , किन्तु वे अपने द्वारा प्रतिपादित अनेक अर्थों में से किसी एक विशेष अर्थ के लिए ही प्रतिपादित होकर रूढ़ हो गये हैं , ऐसे शब्दों को योगरूढ़ शब्द कहते हैं । जैसे - पीताम्बर , शब्द ' पीत ' और ' अम्बर ' के योग से बना है , जो विष्णु के अर्थ में रूढ़ है । इसी प्रकार दशानन , हिमालय , जलज , जलद , गजानन , लम्बोदर , त्रिनेत्र , चतुर्भुज , धनश्याम , रजनीचर , विषधर चक्रधर , षडानन , रावणारि , मुरारि ।

✺ (ग) प्रयोग के आधार पर

प्रयोग के आधार पर हिन्दी में शब्दों के दो भेद किए जाते हैं ।
(i) विकारी (ii) अविकारी या अव्यय शब्द ।

(i) विकारी शब्द : वे शब्द , जिनका रूप लिंग , वचन , कारक और काल के अनुसार परिवर्तित हो जाता है , उन्हें विकारी शब्द कहते हैं । विकारी शब्दों में समस्त संज्ञा , सर्वनाम , विशेषण तथा क्रिया शब्द आते हैं ।

(ii) अविकारी या अव्यय शब्द : वे शब्द जिनके रूप में लिंग , वचन , कारक , काल के अनुसार कोई विकार उत्पन्न नहीं होता अर्थात् इन शब्दों का रूप सदैव वही बना रहता है । ऐसे शब्दों को अविकारी या अव्यय शब्द कहते हैं । अविकारी शब्दों में क्रियाविशेषण , सम्बन्ध - बोधक अव्यय , समुच्चय बोधक अव्यय तथा विस्मयादिबोधक अव्यय आदि शब्द आते हैं ।

✺ (घ) अर्थ के आधार पर

अर्थ के आधार पर शब्दों के निम्न भेद किए जाते हैं -

(i) एकार्थी शब्द : वे शब्द जिनका प्रयोग प्रायः एक ही अर्थ में होता है , एकार्थी शब्द कहलाते हैं। जैसे - दिन , धूप , लड़का , पहाड़ , नदी।

(ii) अनेकार्थी शब्द : वे शब्द , जिनके एक से अधिक अर्थ होते हैं , तथा उनका प्रयोग अलग-अलग अर्थ में किया जा सकता है। जैसे : अज , अमृत , कर , सारंग , हरि आदि अनेकार्थी शब्द हैं।

(iii) पर्यायवाची शब्द : वे शब्द , जिनका अर्थ समान होता है। अर्थात् एक ही शब्द के अनेक समानार्थी शब्द पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं। जैसे सूर्य , भानु , रवि , दिनेश , भास्कर आदि शब्द सूर्य के समानार्थी या पर्यायवाची शब्द हैं।

(iv) विलोम शब्द : ये शब्द जो एक दूसरे का विपरीत अर्थ देते हैं , उन्हें विलोम या विपरीतार्थक शब्द कहते हैं। जैसे दिन - रात , जय - पराजय , आशा - निराशा , सुख दुःख ।

(v) समोच्चारित शब्द या युग्म शब्द : वे शब्द जिनका उच्चारण समान प्रतीत होता है किन्तु अर्थ बिलकुल भिन्न होता है। ऐसे शब्दों को समोच्चारित शब्द ,युग्म – शब्द या समरूपी भिन्नार्थक शब्द कहते हैं। जैसे : अनल अनिल उच्चारण में समान है किन्तु अनल का अर्थ है आग तथा अनिल को अर्थ हैं - हवा।

(vi) शब्द समूह के लिए एक शब्द : वे शब्द जो किसी वाक्य , वाक्यांश या शब्द समूह के लिए एक शब्द बन कर प्रयुक्त होते हैं उन्हें शब्द समूह के लिए प्रयुक्त एक शब्द कहते है। जैसे - जिसका कोई शत्रु न हो - अजातशत्रु।

(vii) समानार्थक प्रतीत होने वाले भिन्नार्थक शब्द : वे शब्द जो मोटे रूप में समान अर्थ वाले प्रतीत होते हैं , किन्तु उनमें अर्थ का इतना सूक्ष्म अन्तर होता है कि उन्हें अलग - अलग संदर्भ में ही प्रयुक्त करना पड़ता है । जैसे अस्त्र - शस्त्र , अस्त्र शब्द उन हथियारों के लिए प्रयुक्त इता है , जिन्हें फेंक कर वार किया जाता है । जैसे - तीर , बम , बन्दूक , आदि ; जबकि शस्त्र उन हथियारों को कहते हैं जिनका प्रयोग पास में रखकर ही किया जाता है जैस - लाठी , तलवार , चाकू , भाला आदि ।

(viii) समूहवाची शब्द : वे शब्द जो किसी एक समूह का बोध कराते हैं उन्हें समूहवाची शब्द कहते हैं | जैसे : गट्ठर (लकड़ी या पुस्तकों का) गुच्छा (चाबियों या अंगूर का) गिरोह (माफिया या डाकुओं का) , जोड़ा जूतों का हंसों का), जत्था (यात्रियों का , सत्याग्रहियों का) , झुण्ड (पशुओं का) टुकड़ी (सेना की) , ढेर (अनाज का) ,भीड़ (मनुष्यों की) , माला (फूलों की , मोतियों की) , श्रृंखला (मानव , लौह) रेवड़ (भेड़ व बकरियों का) समूह (मनुष्यों का) ।

(ix) ध्वन्यार्थक शब्द : वे ध्वन्यात्मक शब्द जिनको अर्थ ध्वनियों पर आधारित होता है । इनको निम्न उपभेदों में बाँट सकते हैं-

(अ) पशुओं की बोलियाँ : किलकिलाना (बन्दर) , गुर्राना , (चीता) दहाड़ना (शेर) भौंकना (कुत्ता) , रेंकना (गधा) , हिनहिनाना (घोड़ा) , डकारना (बैल) , चिंघाड़ना (हाथी) , फूँफकारना (सॉप) , मिमियाना (भेड़ , बकरी) , रंभाना (गाय) , गुंजारना (भौंरा) , टर्राना (मेंढ़क) , म्याऊ (बिल्ली) बलबलाना (ऊँट) , हुआ हुआ (गीदड़)

(आ) पक्षियों की बोलियाँ : कूजना (बतख , कुरजा) , कुकडूकूं (मुर्गा) चीखना (बाज) , हू हू (उल्लू) , काँव - काँव (कौवा), गुटरगूं (कबूतर) , टें - टें (तोता) , कूहकना (कोयल) , चहचहाना (चिड़िया) मेयो , मेयो (मोर)

(ग) जड़ पदार्थों की ध्वनियाँ : कड़कना (बिजली) , खटखटाना (दरवाजा) , छुक - छुक (रलगाड़ी) , टिक - टिक (घड़ी) , गरजना (बादल) , किटकिटाना (दाँत) , खनखनाना (रुपया) टनटनाना (घण्टा) फड़फड़ाना (पंख) , खड़खड़ाना (पत्ते)

(घ) अन्य शब्द : छलछलाना , लहलहाना , दमदमाना , चमचमाना , जगमगाना , फहराना , लपलपाना ।

नोट : यह पीडीऍफ़ विभिन्न स्रोतों से तथ्य एकत्रित कर बनायीं गयी है | यदि इसमें कोई त्रुटी पायी जाती है तो नॉलेज हब संचालक की जिम्मेदारी नहीं होगी |

Join Telegram Channel Like Facebook Page

WWW.KNOWLEDGEKAHUB.COM